Es – समुद्र के किनारे राज्य के सार्वजनिक दृष्टान्त मत्ती
१३:१-३अ; मरकुस ४:१-२; लूका ८:४ | 1

– Save This Page as a PDF–

समुद्र के किनारे राज्य के सार्वजनिक दृष्टान्त मत्ती १३:१-३अ; मरकुस ४:१-२; लूका ८:४



यीशु ने समुद्र के किनारे जनता को जो
दृष्टान्त सिखाए, वे राज्य को उन लोगों से छिपाने के लिए थे जिनमें विश्वास की कमी थी, और राज्य को उन लोगों के सामने प्रकट करने के लिए थे जो विश्वास करते थे। प्रभु ने घोषणा की: जिनके पास कान हैं, वे सुनें। जो लोग मसीह पर भरोसा करते थे उनके पास न केवल सुनने के लिए, बल्कि वह क्या कह रहा था उसे समझने के लिए भी आध्यात्मिक कान थे। उसी दिन जब मसीहा को महासभा ने अस्वीकार कर दिया, वह बाहर गया और गलील सागर के किनारे बैठ गया। अपने टैल्मिडिम को पढ़ाने में कुछ समय बिताने के बाद, हमारे भगवान ने समुद्र के किनारे विभिन्न बिंदुओं पर लोगों के बीच अपने व्यापक मंत्रालय को फिर से शुरू किया। भीड़ पहले से कहीं अधिक थी। उसके चारों ओर इतनी बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई कि वह एक नाव पर चढ़ गया और उसमें बैठ गया, और सभी लोग किनारे पर खड़े रहे। मार्क का स्रोत आमतौर पर पीटर माना जाता है, जो एक मछुआरा था और उसके पास दो प्रकार की नावें थीं: एक नाव जिसे उसने बड़ी भीड़ से बचने के लिए तैयार रखा था जो उसे कुचल सकती थी और एक बड़ी नाव किनारे के करीब बंधी हुई थी जहां वह बैठा था और उन्हें दृष्टान्तों में बहुत सी बातें सिखाईं (मत्ती १३:१-३क; मरकुस ४:१-२; लूका ८:४)।

मसीह ने दृष्टान्तों में उनसे सब कुछ कहा। अपने और बड़ी भीड़ के बीच पानी की एक संकीर्ण पट्टी के साथ, येशुआ ने उन्हें सिखाया। झील के किनारे की ध्वनिकी उत्कृष्ट है। किसी की आवाज को काफी दूर से भी सुना और समझा जा सकता है। उसने दृष्टान्त का प्रयोग किये बिना उनसे कुछ नहीं कहा। इस प्रकार वह बात पूरी हुई जो यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी, जब उस ने कहा, मैं दृष्टान्तों में अपना मुंह खोलूंगा, और जगत की उत्पत्ति से जो बातें छिपी हुई हैं उनको प्रगट करूंगा। (मत्ती १३:३४-३५) उन्होंने उन्हें सिखाया. सिखाई गई क्रिया अपूर्ण काल में है, जो निरंतर क्रिया की बात करती है। हालाँकि हमारे प्रभु के शब्द अक्सर सुस्त कानों, कठोर दिलों और अनुत्तरदायी इच्छाओं पर पड़ते थे, फिर भी उन्होंने

Es – समुद्र के किनारे राज्य के सार्वजनिक दृष्टान्त मत्ती
१३:१-३अ; मरकुस ४:१-२; लूका ८:४ | 2

उन्हें सिखाया।

मिट्टी के परिचयात्मक दृष्टांत के बाद, दृष्टान्तों के चार अन्य जोड़े हैं। उनमें से दो दोहे गलील की झील के किनारे बारहों और विश्वासियों और अविश्वासियों की भीड़ को दिए गए थे। पहला दोहा बीज के अपने आप उगने (सच्चे) और गेहूं और जंगली घास (झूठे) के दृष्टांतों से युक्त है, जो दर्शाता है कि एक सच्चे रोपण की नकल एक झूठे प्रति-रोपण द्वारा की जाएगी। दूसरा दोहा सरसों के बीज (बाहरी) और ख़मीर (आंतरिक) के दृष्टान्तों से बना है, जहाँ हम दृश्यमान कलीसिया के भ्रष्टाचार को देखते हैं।